न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

निर्माण IAS
Give the best Take the best

a. **प्रि इ लापल्स की नवतारक संकल्पना**

ग्रहों की उत्पत्ति का यह सिद्धान्त बताता है कि ग्रह, सूर्य एवं उसके सहकार्यीतौर साथ ही एक विशाल समीप मोते तारे से उत्पन्न हुए हैं।

b. **दुर्बलमंडल**

स्थल व महासागर के मध्य उपस्थित अर्धतरल आवरण। इस पर प्लेट तैरती हैं। यहीं संवहनीय सेल पाए जाते हैं।

c. **कायान्तरित चट्टान** => (i) स्लेट
(ii) संगमरमर
(iii) कारलाइट

d. **बैथोलिथ** => धरती की गहराई में लावा के जमाव से निर्मित समतल आकृति। यह सबसे गहराई में निर्मित होती है।

निर्माण IAS

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

(c) ज्वारनदमुख (एस्चुरी)

जब कोई नदी समुद्र मे मिलने से पूर्व शाखाओं मे विभाजित न हो बल्कि एक बिंदु से ही विसर्जित कर जाती है तो उसे एस्चुरी कहा जाता है।

उदाहरण) नर्मदा एवं तापी नदियाँ एस्चुरी बनाती है।

(f) नुनाटक => हिमानी निर्मित स्थलाकृति
हिमनद पर्वत के मुक्त शीर्ष

(g) सूर्य कलंक =>

सौर तूफान जिन क्षेत्रों मे निकलते है वहाँ धब्बों का निर्माण होता है।
यहाँ ताप अन्य स्थान की अपेक्षा कम होता है। ये पृथ्वी की संचार व्यवस्था को प्रभावित करते है।

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

निर्माण IAS
Give the best Take the best

प्रश्न संख्या

1 एंड्रोमेडा

हमारे आकाशगंगा की समीपस्थ आकाशगंगा का नामकरण एंड्रोमेडा / देवयानी रखा गया है।

2 त्रिज्युति

जब सूर्य, पृथ्वी, चन्द्रमा एक ही सीध में होती है, तो त्रिज्युति की स्थिति ही बनती है।
यह अवस्था पूर्णिमा एवं अमावस्या के दिन उत्पन्न होती है।

7 डोलड्रम => (i) 0°-10° उत्तर व दक्षिणी अक्षांश के मध्य का क्षेत्र

(ii) क्षैतिज पवनों के अभाव के कारण यह क्षेत्र बेल्ट आफ काम / डोलड्रम कहलाता है।

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

निर्माण IAS

प्रश्न संख्या 4

आम्र वर्षा

प्री-मानसून वर्षा जो केरल में मई के अंतिम सप्ताह में होती है तो वहाँ की आम की फसलों को अत्यन्त लाभ होता है। अतः इसे आम्र वर्षा कहते हैं।

प्रश्न संख्या 10

भारत के स्वर्ण क्षेत्र

- धारवाड़
- कोलार
- हट्टी
- रामगिरि

रेवाते

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या 2 A

ज्वालामुखी - विश्व वितरण

(1) प्रशांत महासागरीय पेटी

यह पेटी दक्षिण अमेरिका के पश्चिमी तट से होते हुए उत्तरी अमेरिका के पश्चिमी तट तत्पश्चात रूस, फिर जापान के पूर्वी हिस्से से होते हुए फिलीपिन्स तत्पश्चात इंडोनेशिया तक जाता है।

विश्व का 2/3 ज्वालामुखी इसी पेटी पर स्थित है।

(2) मध्य महाद्वीपीय पेटी

यह पेटी अफ्रीका के पश्चिमी तट से होता हुआ भूमध्य सागर की ओर बढ़ता है फिर इटली से होते हुए मध्य एशिया तक विस्तार होता है।

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

निर्माण IAS
Give the best Take the best

प्रश्न संख्या

पवन निर्मित स्थलरचना।

(i) इन्सेलबर्ग

वह चट्टानी भाग जो अपरदन पश्चात स्तम्भ के रूप में शेष बचता है।

(ii) मशरूम रॉक

जब चट्टाने ऊपर की अपेक्षा, निचले भागों में ज्यादा अपरदित होती है तो मशरूमनुमा आकृति तैयार होती है

(iii) ज्यूगेन

जब चट्टान मे कोमल व कठोर चट्टाने एकान्तरित रूप मे पाई जाती है तो वायु कोमल भागो का अपरदन कर दवातनुमा संरचना बनाती है।

(iv) ड्राइकान्टर

चट्टानो के अपरदन बाद शेष जमीन पर पड़े नुकीले टुकड़े, ड्राइकान्टर कहलाते है।

ख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

निर्माण IAS
Give the best Take the best

(1) बरखान

वायु के प्रभाव से निर्मित अर्धचन्द्राकार आकृति - बरखान कहलाती है

(2) लोयस

जब वायु, मैदानी भागों में महीन बालू कण का निक्षेप करती है तो लोयस का निर्माण होता है। ये अत्यन्त उपजाऊ होते हैं।

उदाहरण - उत्तरी चीन का मैदान

प्रश्न संख्या

महासागरीय धाराओं के प्रभाव

(i) **तापीय संतुलन**

गर्म व शीतल जलधाराएं अपने मार्ग का तापमान परिवर्तित करती हैं।

उदाहरण- गल्फस्ट्रीम यूरोप का हीटर कहलाती है

(ii) **जलवायु परिवर्तन**

जलधाराएं अपनी तापीय प्रकृति के कारण दाब पेटियों में परिवर्तन करती है जिससे वर्षा पैटर्न प्रभावित होता है

(iii) **नौसंचालन**

समुद्री जहाज इसे मार्ग के रूप में इनका अनुप्रयोग करते हैं।

(iv) **मत्स्यन**

जलधाराएं अपने साथ प्लैंकटन लाती हैं जिससे मत्स्य प्रचुरता बढ़ जाती है।

(v) **ताप व्युत्क्रमण**

गर्म व ठंडी जलधाराएं मिलकर ताप व्युत्क्रमण

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

निर्माण IAS
Give the best Take the top

प्रश्न संख्या

पैदा करती है। इससे रोजगार निर्मित होता है और यातायात बाधित होता है

निर्माण IAS
Give the best Take the best

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

1

स्थायी पवनें

वे पवनें जो वर्षपर्यन्त एक निश्चित दिशा में सतत् रूप से प्रवाहित होती हैं।

प्रकार

(1) व्यापारिक पवनें (

ये पवनें उपोष्ण उच्च भार पेटी से ऊष्ण कटिबंधीय निम्न भार की ओर पूर्व से पश्चिम की ओर गति करती हैं।
इनका भारतीय मानसून में सहयोग योगदान पड़ता है।

(2) पछुआ पवनें

ये पवनें उपोष्ण उच्च से ऊष्ण कटिबंधीय उपध्रुवीय निम्न भार पेटी की ओर पश्चिम से पूर्व दिशा की ओर गतिमान होती हैं।

दक्षिणी गोलार्ध में इनकी तीव्रता ज्यादा होती है अतः इन्हें प्रचण्ड पछुआ

गर जाती चालीसा, चीलता साठा कहा जाता है।

ये भारत में पश्चिमी विक्षोभ लाने हेतु जिम्मेदार हैं।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

निर्माण IAS
Give the best Take the best

वर्षा के प्रकार

(i) पर्वतीय वर्षा

जब नमी युक्त वायु पर्वतों से टकराती है तो आंशिक रूप से बलपूर्वक ऊपर उठाया जाता है। ऊंचाई बढ़ने पर उनकी आर्द्रता संघनित हो जाती है और तीव्र वर्षा होती है।

भारत में वर्षा का यह प्रकार सर्वाधिक है।

(ii) संवहनीय वर्षा

उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में दिन के समय तीव्र गर्मी ताप से निम्न दाब का केन्द्र निर्मित होता है। यहां से वायु ऊर्ध्वमुखी गति करके ऊंचाई में जाकर कपासी वर्षी मेघ का निर्माण करती है जिससे तीव्र वर्षा होती है।

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

चक्रवातीय वर्षा

उष्ण कटिबंधीय चक्रवात तटों में टकरा कर भारी वर्षा करते हैं।

वाताग्री वर्षा

जब गर्म व शीतल वायुराशि आपस टकरा कर वाताग्र बनाती है फिर विभिन्न क्षेत्रों में वर्षा होती है।

प्रश्न संख्या 1

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

निर्माण IAS

भारत के मैदान

पंजाब — गंगा — बिहार — बंगाल

महत्व

(1) कृषि

भारत के मैदान मुख्यतः जलोढ़ मैदान जलोढ़ मिट्टि जो खाद्यान्न उत्पादन हेतु सर्वश्रेष्ठ है। कुल खाद्यान्न उत्पादन में इनका योगदान सर्वाधिक है।

(2) नगदी फसल

(3) उद्योग केंद्रण

भारत के मैदानी भागों में ही सर्वाधिक उद्योगों की स्थापना हुई। क्योंकि यहाँ मानव श्रम आसानी से उपलब्ध था ही समतल भूमि के कारण यातायात व आधारभूत संरचना विकसित हुई।

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

संख्या

(ग) यातायात

मैदानी क्षेत्रों में रेलवे, सड़क मार्ग सुगमता से निर्मित अतः यहां की कनेक्टिविटी ज्यादा बेहतर।
जिससे लोगों का जीवनस्तर खुशहाल है।

(घ) खनिज एवं वनसंपदा।

उत्तरी भारत व प्रायद्वीपीय भारत के मैदान कि, आयरन, कॉपर, मैंगनीज आदि धातुओं से भरे पड़े हैं।

जिनका उद्योग विकास में सहयोग योगदान है।

प्रश्न संख्या

सिंधु तंत्र

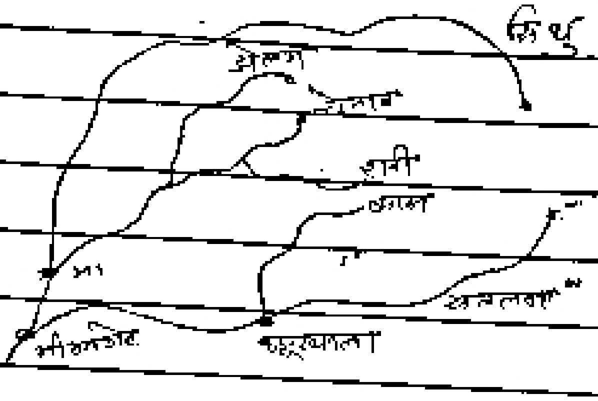

सिंधु

=) यह इसतंत्र की प्रमुख नदी है।

उद्गम=) चेमायुंगडुंग ग्लेशियर

लम्बाई=) 2880 कि.मी.

झेलम

(i) यह वेरीनाग झील श्रीनगर से निकलती है

(ii) वुलर झील इसी से बनती है

(iii) चेनाब में मिल जाती है

चेनाब

(i) सिंधु की सबसे बड़ी सहायक नदी

(ii) लम्बाई - 1180 कि.मी.

(iii) यह झेलम व रावी के जल को लेकर सिंधु में मिलती है।

(Main Answer Sheet)

रावी व व्यास नदियाँ क्रमशः बारालाचा दर्रे से निकल कर क्रमशः चेनाब व सतलज में मिल जाती हैं।

सतलज

(i) सिंधु की दूसरी सबसे बड़ी सहायक
(ii) तिब्बत के कैलाश के राकसताल ग्लेशियर से निकल कर मीठन कोट में सिंधु से मिलती है

(iii) लम्बाई - 1050 km.

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

क्रम संख्या 1

विन्ध्यन तंत्र

उत्पत्ति => विन्ध्यन शैलों का निर्माण कडप्पा क्रम की शैलों के अपरदन व अवक्षेपण से होता है।

विस्तार => चित्तौड़गढ़ से सासाराम बिहार तक।

खनिज => चूना पत्थर, गेरू, स्लेट,

उद्योग => सीमेंट संबंधी उद्योग क्योंकि चूना पत्थर अधिक मात्रा में।

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

निर्माण IAS

प्रश्न संख्या

भारतीय मृदा समस्याएं

मृदा समस्या — (i) क्षारीकरण
(ii) अपरदन ← अवनालिका / शीट
(iii) उर्वरता विनाश

(i) क्षारीकरण — मृदा में अवांछित तत्वों का जमा होना।
कारण → औद्योगिक अपशिष्ट
कृषि रासायन — उर्वरक, कीटनाशी
घरेलू अपशिष्ट, — इत्यादि —

उपाय → उचित अपशिष्ट निपटान
जैविक कृषि

(ii) अपरदन
(a) शीट अपरदन
मृदा की ऊपरी परत का अपरदन

(b)
अवनालिका अपरदन
गहराई तक अपरदन होती है।

कारण → वनविनाश, तीव्र ढाल

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

निर्माण IAS
Give the best Take the best

प्रश्न संख्या

उपाय

भूमि समतलीकरण

वनीकरण

तट बंधों का निर्माण

उर्वरा शक्ति नाश

अविवेकपूर्ण कृषि कार्य, फसल चक्र का उपयोग न करना। फलतः भूमि अनुर्वर हो जाती है।

उपाय => जैविक कृषि

फसल चक्र

निर्माण IAS

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

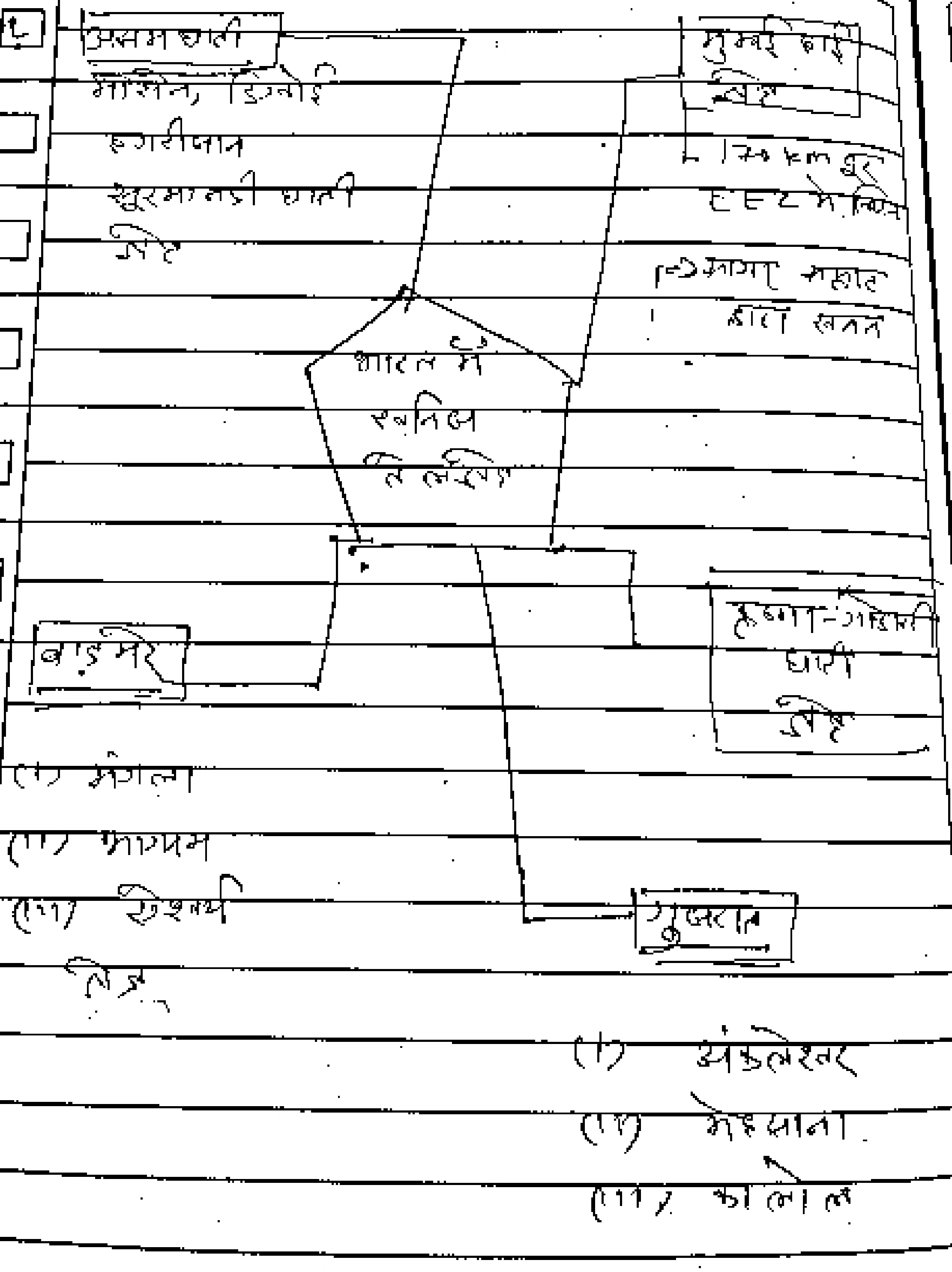

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

निर्माण IAS

प्रश्न संख्या

पर्वत निर्माण प्रक्रिया

(1) अवशिष्ट पर्वत

अति प्राचीन पर्वत जो वायु एवं जल की अभिक्रिया स्वरूप वर्तमान रूप में आ गए हैं। अवशिष्ट पर्वत कहलाते हैं।

उदाहरण- सतपुड़ा पर्वत
विन्ध्य पर्वत
अरावली पर्वत

अरावली पर्वत → गुरुशिखर सर्वोच्च चोटी

गिरनार

प्रीकैम्ब्रियन कालीन पर्वत

भारत का प्राचीनतम

गुजरात से दिल्ली तक

विन्ध्य पर्वत श्रेणी

- गुजरात से बिहार राज्य तक विस्तार
- भानेर, कैमोर, पारसनाथ पर्वतों की श्रृंखलाएं
- उत्तर भाग को मालवा से पृथक करते हैं।

सतपुड़ा पर्वत

- गुजरात से झारखण्ड राज्य तक
- राजपीपला श्रेणी, गाविलगढ़ श्रेणी, महादेव पर्वत, मैकाल श्रेणी
- धूपगढ़ सर्वोच्च चोटी

(c) वलित पर्वत

ये पर्वत प्लेटों के अभिसरण से निर्मित होते हैं।

उदाहरण

हिमालय

यूरेशियन प्लेट व हिन्द महासागरीय प्लेट के अभिसरण से पहले ज्वालामुखी द्वीप ([illegible]) फिर ज्वालामुखी पर्वत (कराकोरम) तत्पश्चात हिमालय का निर्माण हुआ।

एक अन्य अवधारणा के अनुसार जहाँ पर आज हिमालय है वहाँ टेथिस भू-सन्नति थी। लगातार नदियों के जमाव से उसका तल ऊपर उठता जा रहा था। फिर दोनों अग्र भूमियों के अभिसरण से बीच का मलबा वलित हो कर हिमालय का निर्माण करता है।

इसी तरह ही रॉकीज, एण्डीज आदि पर्वत निर्मित हुए हैं।

निर्माण IAS

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

ब्लॉक माउंटेन

जब किसी भूमि में बीच के भाग को छोड़ कर पार्श्व के भाग नीचे दब जाते हैं तो बीच का भाग ऊपर उठा रह जाता है। इस प्रकार ब्लॉक माउंटेन बनते हैं।

उदाहरण ~~[illegible]~~ वॉस्जेस पर्वत
सतपुड़ा पर्वत
साल्ट रेंज, सियरा नेवादा

हॉर्स्ट पर्वत

जब किसी भूमि का मध्य भाग ऊपर उठ जाए तो पार्श्व भूमि की ऊंचाई तुलनात्मक रूप से कम हो जाती है।

उदाहरण - हार्ज पर्वत - जर्मनी

निर्माण IAS

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

वनों का वर्गीकरण

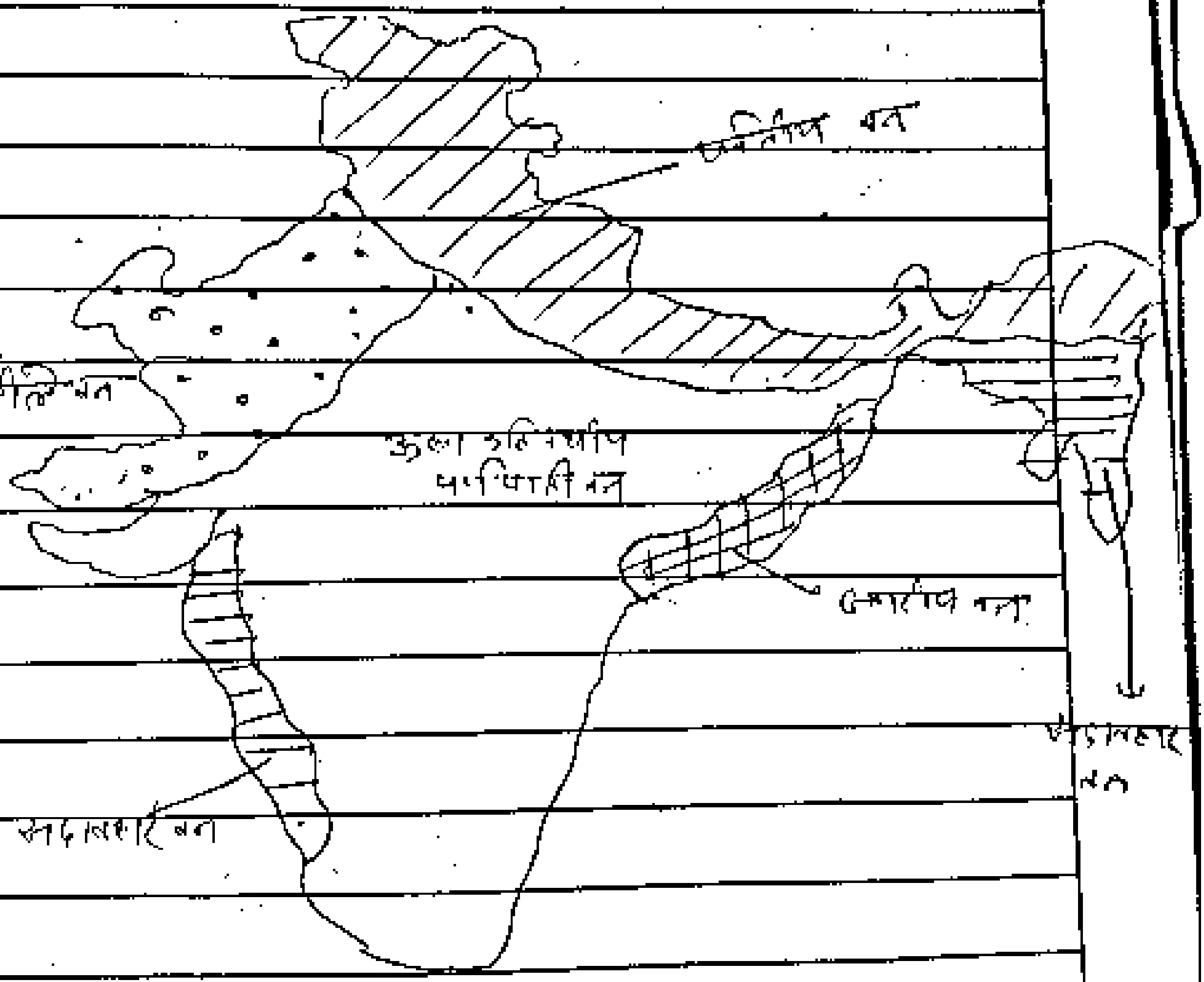

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

निर्माण IAS

प्रश्न संख्या

(i) पर्वतीय वन

भारत में उत्तरी पर्वतीय क्षेत्र में पर्वतीय वन पाए जाते हैं।

ये वन जम्मू कश्मीर, उत्तराखण्ड, हिमाचल उत्तर पूर्वी भारत में पाए जाते हैं।

उदाहरण
ओक, पाइन, मैग्नोलिया और लॉरेल वन

(ii) कंटीले वन

ये वन पश्चिमी भारत में राजस्थान गुजरात एवं हरियाणा प्रदेशों में पाए जाते हैं।

उदाहरण बबूल, कैक्टस, यूफोर्बिया, खिन्नाला

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

निर्माण IAS
Give the best Take the best

ज्वारीय वन

ये सागर तटीय क्षेत्रों विशेषकर बंगाल के तटीय क्षेत्रों में पाए जाते हैं।

यहाँ सुन्दरी (वृक्षों) की प्रधानता के कारण इन्हें सुन्दरवन कहा जाता है।
ये वन पर्यावरण में सकारात्मक कार्य करते हैं।
जैसे महत्व
(i) पर्यावरण निर्धारण
(ii) उच्च जैव विविधता

सदाबहार वन

ये वन पश्चिमी घाट एवं उत्तर पूर्वी राज्यों में मौजूद होते हैं।
ये उच्च वर्षा के क्षेत्रों में (>200 cm) में पाए जाते हैं।

ये उच्च जैव विविधता के क्षेत्र हैं।
उदाहरण
महोगनी, कटहल, बेंत, चंदन
सिनकोना

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

निर्माण IAS

प्रश्न संख्या

इन्हें मानसूनी वन भी कहते हैं।

उष्ण कटिबंधीय आर्द्र पर्णपाती वन

ये वन 100-150 cm वर्षा क्षेत्रों में पाए जाते हैं।
इनमें साल, शीशम, नीम, सागौन
आदि वृक्ष होते हैं।

उष्ण कटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन

ये वन मध्य भारत में विस्तृत
पाए जाते हैं जिन क्षेत्रों में 100-150 cm
वर्षा होती है।

उदाहरण- बांस, हर्र, आंवला, खैर

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

निर्माण IAS
Live the best Take the best

हरित क्रान्ति

पृष्ठभूमि

भारत की स्वतंत्रता के पश्चात सबसे चुनौती की समस्या आत्मनिर्भरता की फिर इसके पश्चात खाद्य सुरक्षा को प्राप्त करने का लक्ष्य था।

हरित क्रान्ति

हरित क्रान्ति का आरम्भ 1966-67 में आरम्भ हुआ।

इस क्रान्ति में उन्नत बीज, रासायनिक उर्वरक, सिंचाई, कीटनाशी प्रयोग द्वारा उत्पादन वृद्धि का प्रयास किया गया।

भारत में इसके प्रणेता — एम स्वामीनाथन थे।

चरण

I — 1966-67

II — 1985-87

निर्माण IAS
Give the best Take the best

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

प्रभाव-

प्रभाव :

(1) हरित क्रान्ति का विस्तार अन्य राज्यों में हुआ

(2) धान की कृषि में तीव्र वृद्धि

(3) सीमान्त राज्यों में भी उत्पादन बढ़ा।

हरित क्रान्ति का महत्व

(1) कृषक आय वृद्धि।

(2) खाद्यान्न आत्मनिर्भरता

(3) विदेशी मुद्रा बचत

(4)

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

निर्माण IAS

प्रश्न संख्या

प्रमुख समस्याएं

(1) प्रदूषण

(2) क्षेत्रीय विषमता

(3) आर्थिक विषमता

(4) स्वास्थ्य चुनौतियां

(1) प्रदूषण

कृषि लागतों उर्वरक कीटनाशि का प्रयोग मृदा में जाकर उसे प्रथम प्रदूषित होने फिर पानी में बह कर जलाशयों तक पहुँच जाति ही जहाँ से मानव व जन्तुओं में प्रवेश कर जाते हैं।

ये मृदा एवं जल की गुणवत्ता प्रभावित करते हैं।

निर्माण IAS
Give the best Take the best

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

(i) क्षेत्रीय विषमता।
हरित क्रांति में उत्तरप्रदेश, पंजाब हरियाणा को समृद्धि बनाया गया। किन्तु उत्तर-पूर्वी राज्य इससे अछूते रहे।

(ii) आर्थिक विषमता।
बड़े किसानों में सुविधाएं संयोग की जबकि छोटे व सीमान्त कृषक मौसमी प्रणाली के कारण इससे वंचित रहे। इस प्रकार गरीब और गरीब होते गए

इससे गरीब व सहज किसानों की स्थिति दुर्बल हुआ।

(iii) कृषक ऋण
ज्यादा कृषि लागतों ने कृषि को ऋण के जाल में फँसा दिया।

न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

निर्माण IAS
Give the best Take the best

स्वास्थ्य चुनौतियाँ

कीटनाशी में प्रयुक्त DDT कैंसर उत्पन्न करता है और गम्भीर स्वास्थ्य चुनौती प्रस्तुत करता है।

उर्वरक का अत्यधिक प्रयोग डायबिटीज, ब्लू बेबी सिंड्रोम, कैंसर को पैदा करता है।

आज गैर संक्रामक बीमारियों का एक प्रमुख कारण यही रसायन लागत है।